सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 269 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 7 नवम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-





ब्रह्माण्ड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वो हमीं हैं जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अन्धकार है!

-स्वामी विवेकानंद

शमी ने टेस्ट क्रिकेट को... 7 | महाराष्ट्र व गुजरात में फिर छिड़ी... 3 | निर्वाचन आयोग आंकड़े सीधे... 2

दीपावली पर रोशनी का जश्न, हवा में जहर का कारोबार

पकड़ी गयी चोरी -पेट्रोल में 31 फीसदी तक इथेनॉल की मिलावट

» क्या हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और सुरक्षित पर्यावरण छोड़ पाएंगे

» सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत की तल्ख टिप्पणी, सरकार के प्रयास नाकाफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नईदिल्ली। देश दीपावली की रोशनी में नहाने की तैयारी है। बाजारों में रौनक है घरों में दीये सज रहे हैं और आसमान को रोशन करने की तैयारियां जोरों पर हैं। लेकिन इस चमक-दमक के बीच एक ऐसा सवाल हवा में तैर रहा है जिसे नजरअंदाज करना आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। जिस हवा में हम सांस ले रहे हैं वह जहरीली क्यों होती जा रही है? जिस पेट्रोल से हमारी गाड़ियां दौड़ रही हैं उसकी गुणवत्ता पर सवाल क्यों उठ रहे हैं और जिस विकास की रफ्तार पर देश गर्व कर रहा है उसकी पर्यावरणीय कीमत आखिर कौन चुका रहा है।

एक तरफ दिल्ली की जहरीली हवा पर देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की तल्ख टिप्पणी है तो दूसरी तरफ कर्नाटक सरकार का दावा है कि पेट्रोल में निर्धारित सीमा से कहीं अधिक इथेनॉल मिलाया जा रहा है। दो अलग-अलग घटनाएं हैं लेकिन दोनों के केंद्र में आम आदमी की सेहत का सवाल है और प्रश्न यही है कि आम आदमी की सुरक्षा और उसके अधिकारों की जिम्मेदारी आखिर किसकी है।



दिल्ली की हवा पर सीजेआई की खरी-खेरी

पेट्रोल की गुणवत्ता पर उठे सवालों के बीच देश की राजधानी दिल्ली की हवा भी सांसों पर भारी पड़ रही है। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक औसत एक्यूआई 400 के आसपास और कई इलाकों में 450 के पार पहुंच गया। इस बीच मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट में वायु प्रदूषण के मामले की सुनवाई के दौरान सरकारी प्रयासों पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में वाहनों की भारी संख्या और बंपर-टू-बंपर यातायात प्रदूषण की बड़ी वजह है। सीजेआई ने सवाल किया कि तमाम उपायों के बावजूद वाहनों से होने वाला प्रदूषण क्यों नहीं रुक रहा है। उन्होंने सार्वजनिक परिवहन की कमी की ओर भी ध्यान दिलाया। अदालत में यह बात भी सामने आई कि दिल्ली में आने वाले वाहनों के ईंधन और उनकी स्थिति की निगरानी के लिए प्रभावी व्यवस्था की जरूरत है।

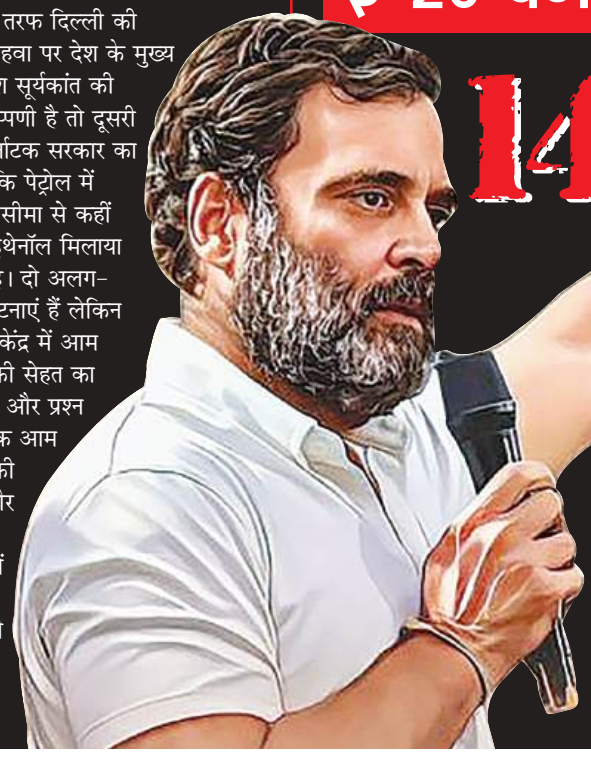
पेट्रोल में 20 नहीं, 31.2 प्रतिशत तक इथेनॉल!

कर्नाटक सरकार ने पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर देश की तेल कंपनियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री रिजवान अरशद ने दावा किया है कि राज्य के अलग-अलग जिलों से जुटाए गए पेट्रोल के नमूनों की प्रयोगशाला जांच में इथेनॉल की मात्रा निर्धारित 20 प्रतिशत से काफी अधिक मिली है। सरकार के मुताबिक, 63 पेट्रोल पंपों से लिए गए नमूनों में 14 नमूनों में निर्धारित सीमा से अधिक इथेनॉल पाया गया। कुछ नमूनों में इसकी मात्रा 31.2 प्रतिशत तक दर्ज होने का दावा किया गया है। जांच में इंडियन ऑयल के नमूनों में 31.2 प्रतिशत, हिंदुस्तान पेट्रोलियम में 30.5 प्रतिशत और भारत पेट्रोलियम में 26.5 प्रतिशत तक इथेनॉल मिलने की बात कही गई है। कर्नाटक सरकार का कहना है कि निर्धारित सीमा से अधिक इथेनॉल वाहन के माइलेज और इंजन के महत्वपूर्ण पुर्जों को नुकसान पहुंचा सकता है। राज्य सरकार ने पेट्रोल पंपों पर इथेनॉल मिश्रण का प्रतिशत प्रदर्शित करने और वाहन मालिकों को संभावित नुकसान से राहत देने के लिए विशेष कोष बनाने की मांग भी उठाई है। हालांकि, तेल कंपनियों ने इन आरोपों को खारिज किया है। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का कहना है कि कर्नाटक सरकार के नमूने लेने और जांच करने की प्रक्रिया निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं थी। कंपनियों ने अपने परीक्षणों का हवाला देते हुए दावा किया कि कर्नाटक के 56 नमूनों में इथेनॉल की मात्रा 19 से 20 प्रतिशत के बीच रही। लिहाजा अब इस पूरे मामले में निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग महत्वपूर्ण हो गई है।

400 से 450 एक्यूआई के आसपास स्तर पर पहुंच चुका एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक

31.2 प्रतिशत इंडियन ऑयल के नमूने में इथेनॉल मिलने का दावा | **30.5** प्रतिशत हिंदुस्तान पेट्रोलियम के नमूने में इथेनॉल मिलने का दावा

ई-20 बना '420'! राहुल ने पूछा-जनता की गाड़ी में पेट्रोल या धोखा?



14 नमूनों में से 11 में इथेनॉल की मात्रा 20 प्रतिशत से अधिक पाई गई।

पेट्रोल में इथेनॉल की निर्धारित 20 प्रतिशत सीमा से अधिक मात्रा मिलने के विवाद ने अब सियासी तूल पकड़ लिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक सरकार की प्रयोगशाला जांच का हवाला देते हुए केंद्र सरकार और तेल कंपनियों पर तीखा हमला बोला है। राहुल ने तंज कसते हुए कहा है कर्नाटक के सात जिलों से लिए गए पेट्रोल के 14 नमूनों में से 11 में इथेनॉल की मात्रा 20 प्रतिशत से अधिक पाई गई। इनमें इंडियन ऑयल के एक नमूने में 31.2 प्रतिशत और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के नमूने में 30.5 प्रतिशत इथेनॉल मिलने का दावा किया गया है। राहुल ने आरोप लगाया कि सरकारी और निजी तेल कंपनियों के नमूनों में तय सीमा से अधिक इथेनॉल मिला। राहुल ने सवाल उठाया कि उपभोक्ता जब पेट्रोल की पूरी कीमत चुका रहा है तो उसे वास्तव में टंकी में क्या दिया जा रहा है? उन्होंने आशंका जताई कि निर्धारित सीमा से अधिक इथेनॉल मिलने पर वाहनों का माइलेज घट जाता है और रखरखाव का खर्च बढ़ सकता है। पेट्रोल पंपों पर ईंधन में इथेनॉल की वास्तविक मात्रा की जानकारी न दिए जाने पर भी उन्होंने सवाल उठाए। अब सवाल सिर्फ सियासत का नहीं बल्कि देश के करोड़ों वाहन चालकों के भरोसे का है कि पेट्रोल की टंकी में वास्तव में कितना इथेनॉल है और इसकी प्रमाणिक जांच कौन करेगा।

दीपावली पर सिर्फ पटाखों को कटघरे में खड़ा करना काफी है क्या

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दीपावली के ठीक पहले प्रदूषण पर हुई इस सुनवाई में हमारी जीवनशैली और पुरानी परंपराओं का मुद्दा भी उठा। सीजेआई ने पुरानी संस्कृति और वास्तविक परंपराओं की ओर लौटने की जरूरत बताई। अदालत में वाहनों की संख्या महंगी गाड़ियों और सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रतीक बन चुके खर्चों पर भी चर्चा हुई। यह सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि प्रदूषण की चर्चा अक्सर दीपावली और पटाखों तक सिमट जाती है। जबकि वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियां भी हवा की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं। इसका अर्थ यह कतई नहीं कि त्योहारों पर प्रदूषण रोकने के उपाय जरूरी नहीं हैं। बल्कि जरूरत इस बात की है कि पर्यावरण की चिंता पूरे वर्ष और प्रदूषण के सभी स्रोतों को ध्यान में रखकर की जाए।

> सरकारी और निजी तेल कंपनियों के नमूनों में तय सीमा से अधिक इथेनॉल मिला। उपभोक्ता जब पेट्रोल की पूरी कीमत चुका रहा है तो उसे वास्तव में टंकी में क्या दिया जा रहा है? निर्धारित सीमा से अधिक इथेनॉल मिलने पर वाहनों का माइलेज घट जाता है और रखरखाव का खर्च बढ़ सकता है।

विकास की चमक के साथ स्वच्छ हवा भी जरूरी

भारत की ऊर्जा जरूरतें तेजी से बढ़ रही हैं। इथेनॉल मिश्रण का कार्यक्रम कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने और घरेलू ऊर्जा विकल्पों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगे बढ़ाया गया है। लेकिन किसी भी नीति की सफलता केवल उसके आंकड़ों से नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन की गुणवत्ता और उपभोक्ता के हितों की सुरक्षा से तय होती है।यदि ईंधन की गुणवत्ता पर सवाल उठते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि वाहन प्रदूषण बढ़ा रहे हैं तो सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना होगा। यदि पराली समस्या है तो किसानों को व्यवहारिक विकल्प देने होंगे। और यदि त्योहारों के दौरान प्रदूषण बढ़ता है तो उसका समाधान भी सामूहिक जिम्मेदारी से निकालना होगा। दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का पर्व है। लेकिन इस बार सवाल केवल घरों और गलियों को रोशन करने का नहीं है। सवाल यह भी है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और सुरक्षित पर्यावरण छोड़ पाएंगे।

निर्वाचन आयोग आंकड़े सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से साझा कर रहा : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- आखिर सीएम को कैसे पता 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम हटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा व चुनाव आयोग पर प्रहार किया है। सपा प्रमुख ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सवा करोड़ से अधिक हिंदू मतदाताओं के नाम कटने की बात कही है। लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में उन्होंने सवाल उठाया कि क्या निर्वाचन आयोग ने यह आंकड़ा सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से साझा किया है।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि एक करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गायब हैं। उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री को यह जानकारी कैसे मिली और क्या निर्वाचन आयोग ने पूरा आंकड़ा मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ साझा किया है। यहां सपा मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने घुसपैठियों का मुद्दा बार-बार उठाकर पूरे देश को डराए रखा। अब दावा कर रहे हैं कि एक करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल किया, इन्हें(योगी) कैसे पता कि नाम गायब हैं? लगता है कि निर्वाचन आयोग ने पूरा आंकड़ा मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ साझा किया है।सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग यह जानकारी जनता और राजनीतिक दलों को बाद में देता है, लेकिन सबसे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय को दिखाता है।

भाजपा सपा को बदनाम करने की साजिश रच रही

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा पर सपा को बदनाम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने समाजवादी पार्टी राज्य मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने दस साल में उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। भाजपा प्रदेश में अराजकता फैला रही है और सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। भाजपा समाज में बुराई फैलाकर किसान, नौजवान, व्यापारी और छात्रों का भविष्य अंधकारमय कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से धैर्य और शिष्ट व्यवहार बनाए रखने तथा भाजपा की उकसावे की राजनीति में न आने की अपील की। अखिलेश यादव ने भाजपा पर वोट चोरी, चंदा चोरी और चढ़ावा चोरी में बेनकाब होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र के विरुद्ध षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर नगर निकाय और पंचायतों के वोट का मतदाता सूची से मिलान करा रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग से अपनी निष्पक्षता साबित करने की मांग की। यादव ने प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण बचाने की बात कही, साथ ही समाजवादी पार्टी सरकार बनने पर बुजुर्गों को कैलाश मानसरोवर की यात्रा फिर से कराने का वादा किया।

फर्जी वोट बढ़ाने के लिए फॉर्म छह और सात में बदलाव किया जा रहा

सपा प्रमुख ने आशंका जताई कि फॉर्म छह और सात में बदलाव इसलिए किया जा रहा है ताकि फर्जी वोट बढ़ाए जा सकें। उन्होंने आगाह किया कि मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर एसआईआर के बाद नागरिकता छिनने का भी खतरा पैदा हो सकता है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी निशाना साधा और दावा किया कि 2027 में राज्य में समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।

वोट देने का अधिकार छीनने के लिए एसआईआर कराया गया

उन्होंने आरोप लगाया कि वोट देने का अधिकार छीनने के लिए पहले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराया गया, फिर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) कराया गया और अब फॉर्म सात के जरिए साजिश की जा रही है। अखिलेश ने कहा, हमारा सुझाव है कि जब सबके आधार कार्ड बन गए हैं तो मतदाता सूची को आधार से जोड़ दिया जाए।

सब ठीक है वाजिब चिंताओं को दूर करेंगे : फारूक

» 11 दिन से बागी 15 विधायक 2 घंटे में माने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर 27 अक्टूबर से सुलग रही बगावत की चिंगारी 11वें दिन शुक्रवार को ठंडी नजर आई। उमर कैबिनेट के मौजूदा फेरबदल से नाराज 15 विधायकों की पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के गुपकार रोड स्थित आवास पर बंद कमरे में करीब दो घंटे चली मैराथन बैठक में सुलह का रास्ता निकल आया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की मौजूदगी में असंतुष्टों की बात सुनी गई।

निर्दलीयों को बैठक से दूर रखा गया। बातचीत के बाद सभी विधायक पार्टी आलाकमान के साथ बाहर आए। फारूक ने नेकां में अंदरूनी कलह को खारिज किया, कहा- पार्टी एकजुट है। विधायकों की चिंताएं वाजिब हैं, जिन्हें दूर किया जाएगा। पार्टी में डैमेज कंट्रोल के मकसद से असंतुष्ट विधायकों को डॉ. फारूक के आवास पर अहम और निर्णायक चर्चा के लिए सुबह सुबह 10:00 से 10:30 बजे के बीच बुलाया गया था। इसमें कश्मीर, पीर पंजाल और चिनाब वैली से 15 वरिष्ठ विधायक शामिल हुए। इतनी बड़ी तादाद में पार्टी प्रमुख विधायकों के लामबंद होकर एक मंच पर आने से पार्टी नेतृत्व पर दबाव साफ महसूस किया जा रहा था।

आलाकमान ने बैठक से पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि यह नेकां का आंतरिक मामला है। ऐसे में निर्दलीय विधायकों को शामिल नहीं किया जाएगा। करीब दो घंटे चली गहन चर्चा के दौरान विधायकों ने प्रशासनिक उपेक्षा, हालिया कैबिनेट विस्तार में वरिष्ठता की अनदेखी और संगठन के भीतर संवादहीनता को लेकर अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। शीर्ष नेतृत्व ने आश्वस्त किया कि संगठन व सरकार के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बैठक के बाद फारूक, उमर और सभी 15 विधायक एक साथ बाहर आए।

अनुच्छेद 370 व 35ए की वापसी के लिए संघर्ष जारी रहेगा

हमने उनसे (असंतुष्ट विधायकों) बात की है। उनकी चिंताएं जायज थीं और उन पर उचित ध्यान दिया गया है। पार्टी नेतृत्व ने सबकी बात सुनी है और उन्हें हल करने के कदम उठाए जाएंगे। सरकार और पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए कुछ कदम तुरंत और कुछ चरणबद्ध तरीके से उठाए जाएंगे। साथ ही, राज्य के दर्जे की बहाली और अनुच्छेद 370 व 35ए की वापसी के लिए संघर्ष जारी रहेगा और इसे अपने मुकाम तक पहुंचाया जाएगा।

सीएम सैनी ने राहुल गांधी की हां में हां मिलाया

» पंजाब के मुख्यमंत्री मान को लेकर शराब से जुड़ी नेता प्रतिपक्ष की टिप्पणी का समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर शराब से जुड़ी जो टिप्पणी की है, वह बिल्कुल सच है। सीएम सैनी ने कहा कि इस मामले में वे बिल्कुल सही हैं।

राहुल गांधी और मान साहब (लोकसभा में) एक साथ बैठते थे, क्योंकि वे दोनों इंडिया गठबंधन का हिस्सा थे। उन्होंने आगे कहा कि चंडीगढ़ से सांसद रहीं किरण खेर... उन्होंने विरोध जताते हुए अपनी सीट बदलने की मांग की थी। उन्होंने कहा था, मैं यहाँ नहीं बैठ सकती, मुझे वहाँ बैठना है।बता दें लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार की आलोचना की। उन्होंने राज्य में नशे की समस्या को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि पंजाब को दिल्ली से चलाया जा रहा है।



बसपा रैली करके प्रदेश में फिर से सक्रिय होगी

» आकाश आंनद बोले- वोट हमारा, राज हमारा नारे से कैडर को एकजुट करेगी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



लखनऊ। प्रदेश में अब तक लगभग 100 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी बहुजन समाज पार्टी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रचार अभियान को गति देगी। बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा दिए गए नारे वोट हमारा, राज हमारा के नारे के साथ पार्टी नेता व पदाधिकारी कैडर वोटों को एकजुट करने पर जोर देंगे। साथ ही प्रदेश में रैलियों की संख्या भी बढ़ेगी। विधानसभा चुनाव करीब आने के साथ ही अपना ने अपना चुनाव अभियान तेज कर दिया है।

बसपा प्रमुख मायावती द्वारा विधानसभा चुनाव में तेजी से जुटने और बूथ स्तर तक मजबूती के निर्देश दिए गए हैं। अब पार्टी पदाधिकारी इसे जमीन स्तर पर लागू करने में जुटेंगे। पार्टी की चुनावी तैयारी की बैठक में यह संदेश भी दिया गया है कि राजनीतिक दलों पर बयानबाजी करने की जगह अपने वोटों को एकजुट करने पर ध्यान देगी। इतना ही नहीं युवाओं को पार्टी से जोड़ने के लिए रैली व अन्य आयोजनों में जेन जी के मुद्दे भी उठाए जाएंगे। इसमें बेरोजगारी, महंगाई व भ्रष्टाचार प्रमुख रूप से शामिल होगा। पार्टी नेताओं को इसी लाइन पर चलकर प्रचार अभियान में जुटने को कहा गया है। साथ ही कैडर मतदाताओं को एकजुट करने पर सर्वाधिक फोकस होकर काम करेगी। बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा व प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल आदि प्रमुख पदाधिकारियों ने पार्टी मुखिया मायावती के निर्देश पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल, गोमतीनगर पहुंचे। उन्होंने छह दिसंबर को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) पर आयोजित होने वाले श्रद्धा-सुमन समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परिवर्तन स्थल की टूट-फूट पर नाराजगी जताई और जल्द से जल्द इसे ठीक कराने की भी मांग की। बसपा ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ताबड़तोड़ रैलियां भी शुरू कर दी हैं। इस क्रम में राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की इस महीने कई रैली तय कर दी गई हैं। इसके तहत 14 नवंबर को बिजनौर, 15 को बीकापुर अयोध्या, 26 को पंजाब में, 29 नवंबर को बिल्हौर कानपुर देहात व छह दिसंबर को उत्तराखंड में रैली होगी।

महाराष्ट्र व गुजरात में फिर छिड़ी सियासत

भाजपा और विपक्ष में बयानबाजी तेज

सूखे को लेकर एनसीपी एसपी का हल्ला बोल



» बाघेला व जरांगे का आरक्षण पर वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र व गुजरात में राजनीति फिर चर्चा में है। मराठी राज्य में जहां सूखे व बाढ़ को लेकर रार है तो गुजरात में पुराने भाजपा नेता शंकरसिंह वाघेला के बयान से माहौल गरमाया है। महाराष्ट्र में सीजेपी के आंदोलन व जरांगे के आरक्षण पर बयान भी सियासी सरगर्मी बढ़ा रहे।

वहीं एनसीपी एसी नेता शरद पवार का एनडीए में न जाने की बात कहने के बाद भी सियासी पारा चढ़ा है। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला ने साफ किया है कि उन्होंने आरक्षण पर अपनी टिप्पणी पूरी जिम्मेदारी के साथ दी थी और वह अपने बयान से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आरक्षण-विरोधी है और यह विवाद जानबूझकर खड़ा किया जा रहा है।

भाजपा की सरकारें आरक्षण विरोधी हैं

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला ने आरक्षण ह्से जुड़े अपने विवादित बयान के लिए माफी मांगने से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने यह बयान पूरी जिम्मेदारी के साथ दिया था और अपने राजनीतिक जीवन में कभी भी अपनी किसी बात से पीछे नहीं हटे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने रविवार को जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि उन्होंने गांधी जयंती पर नर्मदा जिले के सागबारा में आदिवासी किसानों की एक सभा में जो बातें कही थीं, वे केंद्र और गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारों पर लक्षित थीं, जो आरक्षण-विरोधी हैं। उन्होंने कहा, शंकरसिंह वाघेला अपनी जिंदगी में कभी अपने बयानों से पीछे नहीं हटे हैं। मैंने जो कुछ भी कहा, वह कह दिया और उसके लिए माफी मांगने का कोई सवाल ही नहीं उठता। वाघेला ने कहा कि यह बात भाजपा सरकार और आरक्षण के प्रति उसके विरोध के संदर्भ में कही गई थी। उन्होंने कहा, लोग समाज का 70 प्रतिशत हिस्सा हैं। भाजपा सरकार इनका विरोध करती है।

पीएम नरेंद्र मोदी से मिले एकनाथ शिंदे करीब 1 घंटे तक चली बातचीत

महाराष्ट्र में भीषण सूखे की स्थिति को लेकर शिवसेना के मुख्य नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक सूखे की स्थिति और उससे निपटने के उपायों को लेकर चर्चा हुई। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य में सूखे का संकट गंभीर है और केंद्र सरकार सूखा राहत के लिए महाराष्ट्र को बड़ी आर्थिक सहायता देगी, ऐसा उन्हें विश्वास है। उन्होंने कहा कि सूखे की इस कठिन घड़ी में सरकार किसानों को अकेला नहीं छोड़ेगी और किसानों की दिवाली काली नहीं होने दी जाएगी। सरकार किसानों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र में सूखे की स्थिति की गंभीरता से जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने राज्य में पानी की स्थिति, खेती और पशुओं के चारे की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। शिंदे ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को जानकारी दी कि राज्य सरकार का



मंत्रिमंडल सूखा प्रभावित क्षेत्रों में किसानों के बीच पहुंचा और उन्हें मानसिक सहारा दिया। प्रधानमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सूखे का संकट बड़ा है और केंद्र सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है।

बाघेला एक बार फिर कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें

मैंने इस बारे में बात की कि आरक्षण आखिर क्यों दिया गया था। वाघेला ने यह कहते हुए विवाद खड़ा कर दिया था कि अगर पटेल, बनिया या ब्राह्मण समुदायों के लोग हाथ से मैला उठाने का काम करने को तैयार हों, तो वे उन्हें हर महीने 50,000 रुपये देंगे। उन्होंने ऐतिहासिक रूप से पिछड़े समुदायों के लिए आरक्षण का समर्थन करते हुए यह टिप्पणी की थी। वाघेला ने कहा था, आरक्षण कोई एहसान के तौर पर नहीं मिला है; यह जीवन भर की तकलीफों और संघर्ष से हासिल किया गया है। यह विवाद ऐसे समय में पैदा हुआ है, जब 86 वर्षीय वाघेला के एक बार फिर कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि वह दलित समुदाय के साथ ऐतिहासिक रूप से हुए भेदभाव की बात कर रहे थे, जिसमें मंदिरों और पीने के पानी तक पहुंच से वंचित किया जाना और बारात निकालने से रोका जाना शामिल है। उन्होंने कहा, मैंने इस बारे में बात की कि आरक्षण क्यों दिया गया था। दलित समुदाय के संदर्भ में—जिन्हें हाथ से मैला उठाना पड़ता था, जो मंदिरों में नहीं जा सकते थे, जिनके पास पीने के पानी की सुविधा नहीं थी और जो गांव में बारात नहीं निकाल सकते थे—मैंने कहा कि आरक्षण उनके लिए मुआवजा था। वाघेला ने इन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि उनकी टिप्पणी ब्राह्मणों या किसी अन्य अगड़ी जाति के खिलाफ थी।

किसान सम्मान निधि योजना पर की बात

उन्होंने आगे कहा कि केंद्र की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को हर साल 6,000 रुपए और राज्य की नमो शेतकरी महासम्मान निधि योजना के तहत 6,000 रुपए दिए जाते हैं यानी किसानों को कुल 12,000 रुपए की वार्षिक सहायता मिलती है। पिछले साल भी अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को सरकार ने मदद दी थी। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि सरकार की तिजोरी पर पहला अधिकार बलीराजा का है। किसान संकट में है, तो सरकार मदद करने में कोई कमी नहीं रखेगी।

भाजपा मुझे समझाएं कि मैं ब्राह्मण विरोधी कैसे

उन्होंने पूछा, मुझे समझाएं कि मैं ब्राह्मण-विरोधी कैसे हूं। (जब मैं मुख्यमंत्री था) परशुराम जयंती की छुट्टी की अनुमति किसने दी थी? जिस व्यक्ति ने ब्राह्मण समाज को भगवान परशुराम जयंती की छुट्टी दी, क्या वह आज आपका विरोधी हो सकता है? वाघेला ने पूछा कि क्या कोई ऐसी घटना बता सकता है, जब उन्होंने पटेल समुदाय का विरोध किया हो। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने आरक्षण के बारे में एक साल पहले भी ऐसी ही बातें कही थीं और सवाल किया कि तब किसी ने आपत्ति क्यों नहीं जताई थी। वाघेला ने भाजपा पर विवाद खड़ा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ



थी। उन्होंने कहा, भाजपा के लोग ही आरक्षण-विरोधी हैं। वाघेला ने कहा कि उनकी टिप्पणी का मकसद अलग-अलग समुदायों के अधिकारों का समर्थन करना था। उन्होंने कहा, मैंने जो कुछ भी कहा है, पूरी जिम्मेदारी के साथ कहा है। मैंने दलित समुदाय, आदिवासियों, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और महिलाओं के आरक्षण के अधिकारों के लिए ये बातें कहीं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, शंकरसिंह वाघेला कभी भी किसी अगड़ी जाति के विरोधी नहीं हो सकते। भाजपा की गुजरात इकाई के पूर्व मीडिया समन्वयक और 'समस्त ब्रह्म समाज' के समन्वयक यज्ञेश दवे ने शनिवार को वाघेला की टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि समुदायों या जातियों के बीच दुश्मनी पैदा करना गलत है।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_SanjayS

जिद... सच की

देश में शिक्षा व्यवस्था का सुदृढ़ होना जरूरी

देश का भविष्य वहां के छात्र होते हैं। अगर उस देश के छात्र हर विषय पारंगत होंगे तो वह देश आगे बढ़ेगा। इन छात्रों को संवारती है शिक्षा। शिक्षा को देते है विद्यालय। इसलिए देश में शिक्षा व्यवस्था का सुदृढ़ होना जरूरी है। पर देश में शिक्षा व्यवस्था कटघरे में आजकल खड़ी हैं। परीक्षा लीक की घटनाओं ने साख को बट्टा लगाया है। सत्ताधीशों को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना होगा। आज प्रश्न यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था और छात्र राजनीति उनके इस स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं? समकालीन परिदृश्य का एक चिंताजनक पक्ष यह है कि अनेक शिक्षण संस्थानों में हिंसक टकराव, तोड़ोड़, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, अनुशासनहीनता और शक्ति प्रदर्शन जैसी घटनाएं चिंता उत्पन्न कर रही हैं। किसी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों में पारित कानूनों से कम और उसके शिक्षण संस्थानों में गढ़े जा रहे विद्यार्थियों के चरित्र से अधिक निर्धारित होता है। छात्र केवल किसी देश की युवा आबादी नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं, विचारों, मूल्यों और विकास की जीवंत पूंजी होते हैं। उनकी आंखों में पलते सपने राष्ट्र की तकदीर लिखते हैं और उनके हाथों में संवरता भविष्य सभ्यता की दिशा तय करता है।

किंतु जब यही हाथ सृजन के औजारों के बजाय विध्वंस के हथियार उठाने लगें, जब ज्ञान की जिज्ञासा हिंसा की उत्तेजना में बदलने लगे और जब शिक्षा के मंदिरों में अनुशासन की जगह अराजकता पनपने लगे, तब यह केवल छात्र जीवन का संकट नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की चेतना के लिए खतरे की घंटी है। विश्व छात्र दिवस इसी संदर्भ में आत्ममंथन का अवसर है। प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व छात्र दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती को समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस को आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने का दावा नहीं करना चाहिए, फिर भी भारत में यह दिन व्यापक रूप से कलाम के विद्यार्थी-केंद्रित विचारों, शिक्षा के प्रति समर्पण और युवाओं के स्वप्नशील व्यक्तित्व के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। डॉ. कलाम के लिए विद्यार्थी केवल परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने वाले छात्र नहीं थे, बल्कि वे ऐसे स्वप्नदृष्टा थे, जिनके भीतर देश की तस्वीर बदलने की क्षमता थी। वे बच्चों के बीच जाते, उनसे संवाद करते, उनके प्रश्नों को प्रोत्साहित करते और उन्हें बड़े सपने देखने की प्रेरणा देते थे। उनका विश्वास था कि सपने वे नहीं होते जो नींद में आते हैं, बल्कि वे होते हैं जो व्यक्ति को सोने नहीं देते। उनका जीवन इस बात का प्रमाण था कि साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी असाधारण संकल्प, ज्ञान और परिश्रम से इतिहास रच सकता है।

आज प्रश्न यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था और छात्र राजनीति उनके इस स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं? समकालीन परिदृश्य का एक चिंताजनक पक्ष यह है कि अनेक शिक्षण संस्थानों में हिंसक टकराव, तोड़ोड़, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, अनुशासनहीनता और शक्ति प्रदर्शन जैसी घटनाएं चिंता उत्पन्न कर रही हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संपादक को पत्र...

सर, मैंने कई तरह के अखबार पढ़े हैं, लेकिन आपका अखबार एकदम अलग लगा। आपका अखबार हर खबर की तह तक जाता है जो बहुत ही अलग बात है इस अखबार की। इसमें आप हर बात को बड़ी सच्चाई के साथ पेश करते हैं। आपके अखबार का नाम भी अलग है। वाकई 4 पीएम से हमेशा अलग खबरें ही मिलती हैं हर रोज। साथ ही इस 4पीएम कॉम्पेक्ट होने के कारण कहीं भी आसानी से पढ़ सकते हैं। इस 8 पेज के अखबार में सभी चीजें मिल जाती हैं जैसे एक बड़े अखबार में जैसे अजब-गजब, ट्विट, व चुटकुले के साथ कहानियां कुल मिलाकर गंभीर खबरों के साथ रोचक भी है आपका अखबार। यूट्यूब तो क्या कहने7

राके श अग्रवाल ,
आलमबाग

सर, मैंने पहले कभी इस अखबार के बारे में नहीं सुना था। मगर जब इसके बारे में जाना तो मुझे व्यक्तिगत तौर पर यह अखबार सबसे उम्दा लगा। सबसे अलग तरह की खबरें मिलती है 4 पीएम में। खासकर अखबार की जो लिखने की शैली है वो सभी और अखबारों से एकदम जुदा है। साथ ही सभी खबरों की हेडलाइन काफी आकर्षक होती हैं। आपके अबखार का जो स्लोगन है जिद सच की वह आपकी खबर के हिसाब से एकदम सटीक हैं। आपका अखबार एकदम सच्ची खबरे प्रकाशित करता हैं। बिना किसी के डर के। ऐसे अखबार को मेरा सलाम। आपके चैनलो के कंटेट भी देखने वाले होते हैं।

दिनेश कुमार,
विकासनगर

जब जमानत कागजों में ही सिमटकर रह जाए

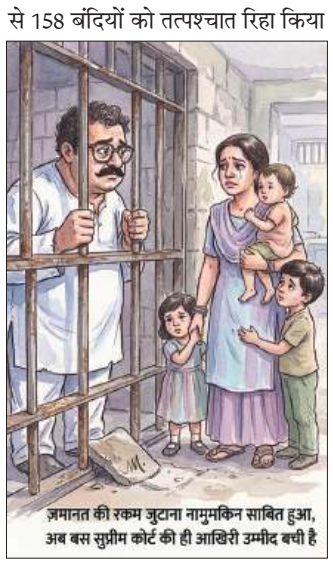
एस.एम. हैदर रिज़वी



विलम्बित स्वतंत्रता, वस्तुत: स्वतंत्रता का निषेध है। जिस विचाराधीन बंदी को विधि-न्यायालय ने जमानत प्रदान कर दी हो, उसका केवल इस कारण कारावास में निरुद्ध बने रहना कि वह दुर्वह जमानत-शर्तों की पूर्ति करने में असमर्थ है - यह कोई प्रक्रियागत असुविधा मात्र नहीं; यह एक संवैधानिक अन्याय है। दाण्डिक न्याय-व्यवस्था प्राय: जमानत की स्वीकृति को स्वतंत्रता की पुनर्स्थापना के रूप में अभिनंदित करती है। किन्तु भारत के कारागारों की प्राचीरों के भीतर एक ऐसी त्रासदी विद्यमान है, जिस पर अपेक्षाकृत अल्प विमर्श होता है। सहस्त्रों विचाराधीन बंदी, जिन्होंने विधिक दृष्टि से जमानत प्राप्त कर ली है, आज भी सलाखों के पीछे कराह रहे हैं - क्योंकि वे प्रतिभू (जमानतदार) प्रस्तुत करने, वित्तीय शर्तों का अनुपालन करने, अथवा अनुकूल आदेश के उपरान्त आने वाली प्रक्रियाओं की भूलभुलैया को पार करने में असमर्थ हैं। उनकी स्वतंत्रता का अस्तित्व मात्र कागज पर है। इसी व्यथित कर देने वाले यथार्थ ने इस प्रश्न को देश के सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के एक दृढ़संकल्पित प्रयास को जन्म दिया।

कई वर्ष पूर्व, सर्वोच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक स्वत: संज्ञान कार्यवाही इन रे- पॉलिसी स्ट्रैटेजी फॉर ग्रांट ऑफ बेल के माध्यम से जमानत-न्यायशास्त्र से संबंधित विषयों की निगरानी आरम्भ की। न्यायालय ने बारम्बार इस तथ्य पर बल दिया कि किसी निर्धन नागरिक की स्वतंत्रता का हनन केवल इस आधार पर जारी नहीं रहने दिया जा सकता कि उसके पास ज़मानत-आदेश से संलग्न औपचारिक अपेक्षाओं की पूर्ति के साधन उपलब्ध नहीं हैं। तथापि एक मौलिक प्रश्न अनुत्तरित ही रहा - क्या उत्तर प्रदेश में ऐसे विचाराधीन बंदी, जमानत स्वीकृत हो जाने के उपरान्त भी, कारागार की चहारदीवारी में परिरुद्ध थे? इस प्रश्न का उत्तर अनुमानों में नहीं खोजा जा सकता था। इसके लिए आँकड़ों की आवश्यकता थी। यह प्रयास आँकड़ों के संकलन के साथ समाप्त नहीं हुआ। इन आँकड़ों का विश्लेषण जमानत, वैयक्तिक स्वतंत्रता, कारागार-सुधार तथा विधिक सहायता से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के विद्यमान निर्णयों के आलोक में किया गया। कारागार प्रशासन, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के समक्ष विस्तृत अभ्यावेदन प्रस्तुत किए गए, जिनमें ज़मानत स्वीकृत होने के पश्चात भी निरन्तर कारावास के संवैधानिक निहितार्थों को रेखांकित किया गया। तथापि, प्राप्त उत्तरों से यह विश्वास उत्पन्न नहीं हो सका कि कोई सार्थक सुधारात्मक कार्यवाही आसन्न है। अत: यह विषय न्यायिक हस्तक्षेप की अपेक्षा करता था। सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष इन रे, पॉलिसी स्ट्रैटेजी फ़ॉर ग्रांट ऑफ़ बेल प्रकरण में अधिवक्ता श्री तल्हा अब्दुल रहमान के माध्यम से एक हस्तक्षेप/पक्षकार-संयोजन आवेदन, संख्या 317864/2026 (सैयद मोहम्मद हैदर रिज़वी, हस्तक्षेपकर्ता/आवेदक), प्रस्तुत किया गया।इस आवेदन के माध्यम से माननीय न्यायालय के समक्ष ऐसी सामग्री प्रस्तुत की गई, जो यह प्रमाणित करती थी कि अनेकानेक विचाराधीन बंदी, जमानत पर रिहाई का निर्देश देने वाले न्यायिक आदेशों के बावजूद, अभिरक्षा में बने हुए थे। यह विषय मात्र शास्त्रीय या सैद्धान्तिक नहीं था। इसका संबंध उन व्यक्तियों से था, जो स्वतंत्रता के अधिकारी होने की विधिक दहलीज पहले ही पार कर चुके थे, फिर भी आर्थिक विपन्नता, प्रक्रियागत जटिलता तथा संस्थागत निष्क्रियता के कारण कारावास भोग रहे थे।

जब यह प्रकरण 4 नवम्बर 2026 को माननीय न्यायमूर्ति एम.एम. सुन्दरेश एवं माननीय न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की खण्डपीठ के समक्ष सुनवाई हेतु आया, तब न्यायालय ने अभिलिखित किया कि उत्तर प्रदेश के बीस जनपदों में ज़मानत प्राप्त 264 विचाराधीन बंदियों को प्रतिभूतियों के निष्पादन तथा विचारण न्यायालय द्वारा अधिरोपित अन्य शर्तों के अनुपालन के अभाव में रिहा नहीं किया जा सका था।राज्य ने न्यायालय को अवगत कराया कि इनमें से 158 बंदियों को तत्पश्चात रिहा किया



ज़मानत की रकम जुटाना नामुमकिन साबित हुआ, अब बस सुप्रीम कोर्ट की ही आखिरी उम्मीद बची है

उत्तर प्रदेश के कारागारों से भारत के सर्वोच्च न्यायालय तक - सूचना के अधिकार की एक यात्रा

जा चुका है, जबकि 106 प्रकरणों में अभी भी ध्यान अपेक्षित है।इससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण यह इंगित किया गया कि उपलब्ध आँकड़े केवल बीस जनपदों तक सीमित थे, तथा उत्तर प्रदेश के शेष जनपदों के लिए भी इसी प्रकार की प्रक्रिया अपनाया जाना आवश्यक था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर महत्तवपूर्ण निर्देश पारित किए। न्यायालय ने उत्तर प्रदेश राज्य को निर्देशित किया कि वह सम्बन्धित जनपद विधिक सेवा प्राधिकरणों के परामर्श से उन विचाराधीन बंदियों के सम्बन्ध में एक व्यापक प्रक्रिया सम्पन्न करे, जिन्हें जमानत स्वीकृत हो चुकी है, किन्तु जो जमानत-शर्तों के अनुपालन के अभाव में कारावास में निरुद्ध हैं। एक विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण अभिमत में, न्यायालय ने यह प्रतिपादित किया कि सहायता का लाभ केवल उन बंदियों तक सीमित नहीं रखा जा सकता, जिनका प्रतिनिधित्व विधिक सहायता तंत्र के माध्यम से हो रहा है। वे बंदी भी, जिन्होंने निजी अधिवक्ता नियुक्त किए हैं किन्तु जो जमानत-शर्तों की पूर्ति करने में असमर्थ हैं, समान विचार एवं सहयोग के अधिकारी हैं।जनपद विधिक सेवा प्राधिकरण की सहायता प्राप्त विचाराधीन बंदियों तथा निजी अधिवक्ता नियुक्त करने वाले विचाराधीन बंदियों के मध्य कोई विभेद नहीं किया जा सकता। खण्डपीठ ने आगे यह भी अभिनिर्धारित किया कि ऐसे व्यक्तियों की अभिरक्षा से मुक्ति सुनिश्चित करने का अन्तिम दायित्व राज्य पर ही है, तथा न्यायालयों से अनुरोध किया कि रिहाई को सुगम बनाने हेतु, जहाँ कहीं आवश्यक हो, शर्तों में यथोचित संशोधन करें। सर्वाधिक उल्लेखनीय यह है कि इन निर्देशों का विस्तार उन बीस जनपदों से आगे बढ़ाकर, जहाँ से आँकड़े संकलित किए गए थे, उत्तर प्रदेश के समस्त पचहत्तर जनपदों पर लागू कर दिया गया।

सूचना के अधिकार का पथ

इस अन्वेषण का शुभारम्भ सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत प्रस्तुत आवेदनों के माध्यम से हुआ। उत्तर प्रदेश के 20 जनपदों के कारागारों से उन बंदियों के विषय में सूचना माँगी गई, जिन्हें जमानत तो स्वीकृत हो चुकी थी, किन्तु जिनकी रिहाई सम्भव नहीं हो सकी थी। शीघ्र ही यह प्रयास एक सुपरिचित अवरोध से टकराया। समस्त कारागार प्राधिकारी विधि द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सूचना उपलब्ध कराने में विफल रहे। यह मौन स्वयं में ही बहुत कुछ उद्घाटित कर रहा था।तदुपरान्त उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयोग के समक्ष एक अनवरत प्रयास का क्रम चला। आयोग का हस्तक्षेप निर्णायक सिद्ध हुआ। विशेष रूप से, राज्य सूचना आयुक्त दिलीप कुमार अग्निहोत्री के अथक प्रयासों तथा समय-समय पर निर्गत निर्देशों ने उस सूचना के प्रकटीकरण को बाध्य किया, जो अन्यथा अप्राप्य ही बनी रहती।जो आँकड़े सामने आए, उन्होंने एक विचलित कर देने वाला चित्र प्रस्तुत किया।केवल बीस जनपदों में ही, विचाराधीन बंदियों की एक उल्लेखनीय संख्या जमानत-आदेश प्राप्त कर लेने के बावजूद कारावास में निरुद्ध थी।

आंकड़ों से परे, मानवीय मूल्य

आँकड़ों में अंकित प्रत्येक संख्या एक मानवीय कथा का प्रतिनिधित्व करती थी। एक श्रमिक, जो प्रतिभू की व्यवस्था करने में असमर्थ रहा। एक परिवार, जो और गहरी निर्धनता के गर्त में धकेल दिया गया, क्योंकि उसका एकमात्र उपार्जक सदस्य जमानत मिलने के बाद भी कारावास में बना रहा।एक बंदी, जिसकी स्वतंत्रता को न्यायिक मान्यता तो मिल चुकी थी, किन्तु प्रशासनिक विलम्ब ने उसे बाधित कर रखा था।भारत का संविधान स्वतंत्रता की प्रत्याभूति केवल उन्हीं को नहीं देता, जो उसका मूल्य चुका सकें। अनुच्छेद 21 का वचन निर्धन, विस्मृत और मूक - सभी के लिए समान रूप से है। सर्वोच्च न्यायालय का यह हस्तक्षेप हमें स्मरण कराता है कि जमानत की स्वीकृति तभी सार्थक है, जब उसकी परिणति वास्तविक रिहाई में हो। जनहित वाद प्राय: किसी एक व्यक्ति का प्रयास नहीं होता।इस पहल के पीछे अधिवक्ता श्री तल्हा अब्दुल रहमान का अमूल्य सहयोग रहा, जिन्होंने इस विषय को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया; वरिष्ठ अधिवक्ता श्री गौरव मेहरोत्रा, जिनका मार्गदर्शन निरन्तर प्राप्त होता रहा; अधिवक्ता श्री नदीम मुर्तज़ा; तथा मेरे कनिष्ठ सहयोगी श्री मोहम्मद हसन एवं श्री शक्ति कुमार वर्मा; और साथ ही मेरे सुपुत्र एस.एम. अयान रिज़वी - एक भावी विधिवेत्ता, जो वर्तमान में क्राइस्ट यूनिवर्सिटी से बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम के चतुर्थ वर्ष में अध्ययनरत हैं; एक विधिक शोधार्थी, जो सदैव विचारों और मतों से परिपूर्ण रहते हैं, जिन्हें मैं अत्यन्त मूल्यवान मानता हूँ। इन सभी ने सूचनाओं के संकलन एवं समेकन में अथक परिश्रम किया।

दिवाली ऐसे करें लक्ष्मी-गणेश की पूजा



दिवाली हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है। यह पर्व हर साल कार्तिक मास की अमावस्या तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन पूरा देश दीये को रोशनी से जगमगा उठता है। दिवाली को सुख-समृद्धि प्रदान करने वाला त्योहार माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी अपने भक्तों के घर पर पधारती हैं और उन्हें धन-धान्य का आशीर्वाद देती हैं। यही वजह है कि इस दिन लोग मां लक्ष्मी की पूजा करके जीवन में सुख-समृद्धि आने की कामना करते हैं, लेकिन इस साल दिवाली की सही तारीख को लेकर असंजस की स्थिति बनी हुई है।

पूजा का शुभ मुहूर्त

इस बार दिवाली 8 नवंबर को मनाई जायेंगी। इस दिन लक्ष्मी-गणेश पूजन के लिए शाम 5 बजकर 54 मिनट से शाम 7 बजकर 50 मिनट तक का समय शुभ रहेगा। इस दौरान श्रद्धालु विधि-विधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा कर सकते हैं। पूजा स्थल को पहले अच्छी तरह साफ करके सजाएं। फिर चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करें। घर के सभी सदस्य एक साथ देवी-देवताओं का ध्यान कर सकते हैं।

पूजन सामग्री

दिवाली की पूजा के लिए पूजा सामग्री में सबसे पहले मां लक्ष्मी और गणेश जी की प्रतिमा, रोली, कुमकुम, अक्षत (चावल), पान, सुपारी, नारियल, लौंग, इलायची, धूप, कपूर, अगरबत्तियां, मिट्टी के दीऐ, रूई, कलावा, शहद, दही, गंगाजल, गुड़, धनिया, फल, फूल, जौ, गेहूं, दूर्वा, चंदन, सिंदूर, पंचामृत, दूध, मेवे, बताशे, जनेऊ, श्वेत वस्त्र, इत्र, चौकी, कलश, कमल गट्टे की माला, शंख, आसन, थाली, चांदी का सिक्का, बैठने का आसन, हवन कुंड, हवन सामग्री, आम के पत्ते और प्रसाद रखना जरुरी है।

दिवाली का धार्मिक महत्व

दिवाली की रात भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की नव स्थापित प्रतिमाओं की पूजा की जाती है। इस दिन लक्ष्मी-गणेश के अलावा कुबेर देवता और बही-खाता की पूजा करने की भी परंपरा है। मान्यता है कि दिवाली की रात पूजा करने से जीवन में धन-धान्य की कभी भी कमी नहीं होती है।

क्यों मनाई जाती है?

दिवाली के पर्व को हर साल अमावस्या की अंधेरी रात्रि में मनाया जाता है। इस दिन दीयों की रोशनी से पूरे घर को रोशन किया जाता है। इसलिए इस पर्व को अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक माना गया है। साथ ही मान्यता है कि दिवाली के दिन ही प्रभु श्रीराम लंकापति रावण को हरा कर अयोध्या लौटे थे। 14 वर्ष का वनवास पूरा कर भगवान राम के लौटने की खुशी में अयोध्या वासियों ने पूरे अयोध्या को दीयों को रोशनी से सजा दिया था। तभी से पूरे देश में दिवाली मनाई जाती है।

दिवाली पर बनाएं गुलाब जामुन और बालूशाही

इस दीपावली बाजार की मिठाइयों से करें तौबा और घर पर महज़ आधे घंटे के अंदर गुलाब जामुन बनाएं। इन्हें बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में 1 कप नरम खोया डालकर मैश कर लें। फिर मैश किए हुए खोये में कप या 100 ग्राम कद्दूकस किया हुआ पनीर, बारीक रवा, 2 बड़े चम्मच मैदा, एक चम्मच बेकिंग पाउडर और एक छोटी चम्मच इलायची पाउडर मिलाएं। 1 बड़ा चम्मच दूध डालें और दूध के साथ आटा गूंथ लें। बस धीरे से मिलाएं। आटे को ढककर 30 मिनट के लिए अलग रख दें। 30 मिनट बाद आटे से बिना दरार के छोटी-छोटी लोइयां बना लीजिए और मध्यम गरम तेल में आटे की लोइयां डाल दें। इन्हें सुनहरा होने तक तलें। फिर बाहर निकाल कर चाशनी में डाल दें। वहीं त्योहार चाहे जो भी हो बालूशाही मिठाइयों की लिस्ट में शामिल होती ही है। बालूशाही बनाने के लिए सबसे पहले एक प्याले में एक कप घी, एक कप ठंडा ताजा दही लें और हल्का और चिकना होने तक फेंटें। अब 2 कप मैदा लें जिसमें 1 चुटकी नमक, 1 चुटकी बेकिंग सोडा और आधा चम्मच बेकिंग पाउडर मिलाएं। अब इसमें फेंटा हुआ मिश्रण डालकर नरम आटा गूंथ लें। आटे को ढककर 15 मिनिट के लिए अलग रख दीजिए। आटे से छोटी से मध्यम आकार की लोइयां निकाल लीजिये। उन्हें धीरे से बालूशाही के आकार में बेल लें। फिर इसे मध्यम धीमी आंच पर सुनहरा होने तक बैचों में मिनटों के लिए भूनें। फिर इन्हें निकाल कर गरम चीनी की चाशनी में डुबोएं।



हंसना मना है

पति - जब हमारी नई-नई शादी हुई थी, तब तुम कितना तहजीब से बोलती थी... और अब... पत्नी - पहले मैं रामायण देखती थी और अब क्राइम पेट्रोल देखती हूं...

पतिदेव - बाबाजी, सुखी वैवाहिक जीवन के लिए मंत्र बताइए... बाबाजी - बेटा जब तक मुंह बंद और पर्स खुला रहेगा, कृपा आती रहेगी...

मां- किससे बात कर रहा है, इतनी रात को... बेटा - कियारा की मां से... मां - अब ये कियारा कौन है... बेटा - तुम्हारी होने वाली पोती... फिर मां ने रात में ही उतारा बेटे के इश्क का भूत...

एक एयरलाइंस ने एक अनोखी योजना शुरू की...आप टिकट खरीदें, साथ में आपकी पत्नी का टिकट मुफ्त! इस योजना में भारी सफलता मिलने के बाद कंपनी ने सारी पत्नियों को फोन करके पूछा- यात्रा कैसी रही... सभी का एक जैसा ही जवाब था- कौन सी यात्रा...

कहानी | भूत का भय

उत्तर प्रदेश के एक पीरगढ़ गांव में अब्दुल व उसके कुछ दोस्त रहते थे। एक दिन ऐसे ही उन सभी के बीच भूत की बात छिड़ गई। इस दौरान अब्दुल ने बिना डरे कह दिया कि भूत जैसा कुछ नहीं होता। तभी सभी दोस्तों ने उससे कहा कि ऐसा है तो क्या तुम इस बात को साबित कर सकते हो कि तुम्हें भूत से डर नहीं लगता। हां, बिल्कुल। गांव में इस दौरान ऐसी बातें चल रही थीं कि पास के ही श्मशान घाट में लोगों को भूत नजर आता है। तभी एक दोस्त ने कहा कि ठीक है, तो तुम रात को श्मशान घाट जाओ और वहां जाकर कील गाड़कर आ जाना। फिर सुबह सब मिलकर उस कील को देखकर आएंगे। इतना तय होने के बाद अब्दुल श्मशान घाट के लिए निकल गया। रात काफी काली थी, रास्ते में चलते हुए अब्दुल के दिमाग में भूत की बातें घूमने लगी। उसे डर भी लग रहा था, लेकिन दोस्तों के सामने हंसी होगी ऐसा सोचकर वो आगे बढ़ता रहा और श्मशान घाट पहुंच गया। वहां पहुंचते ही अब्दुल ने कील को गाड़ने के लिए जेब से हथौड़ी निकाली और कील को जमीन में धीरे-धीरे गाड़ने लगा। शोर ज्यादा न करने के चक्कर में अब्दुल काफी आराम से कील गाड़ रहा था। कुछ देर बाद उसे लगा कि कोई उसका कुर्ता खींच रहा है। उसका पूरा शरीर ठंडा पड़ गया और वो बेहोश होकर नीचे गिर पड़ा। तभी अब्दुल का पीछा करते हुए श्मशान पहुंचे उसके दोस्तों ने उसे उठाया और गांव लेकर आ गए। काफी देर तक जब अब्दुल को होश नहीं आया, तो उसपर पानी के छींटे मारे। उतने में ही अब्दुल को होश आ गया और उसने बताया कि वो कील श्मशान में गाड़ चुका था, लेकिन तभी कोई उसका कुर्ता खींचने लगा, जिससे वो डर गया। दोस्तों ने अब्दुल को बताया कि कोई उसका कुर्ता नहीं खींच रहा था। अब्दुल ने पूछा, तो क्या हुआ था? तब उसके दोस्तों ने बताया कि जिस कील को जमीन में वो गाड़ रहा था उसी के नीचे कुर्ता भी दब गया था। इसी वजह से उसे लगा कि कोई उसका कुर्ता खींच रहा है। अपने डर की वजह से शर्मिंदा होते हुए अब्दुल ने अपने दोस्तों से माफी मांगी, लेकिन उसके सारे दोस्तों ने मिलकर उसकी हिम्मत की खूब तारीफ की।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कार्यक्षेत्र में संयम और धैर्य से काम लें, सफलता मिलेगी। व्यापार में कागजी कार्रवाई पूरी सतर्कता से करें। परिवार में किसी पुरानी बात पर बहस से बचें।

वृषभ दफ्तर में आपकी योजनाबद्ध कार्यशैली सफल रहेगी। व्यापारिक लेनदेन में स्पष्टता रखें, लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बहुत अच्छा बना रहेगा।

मिथुन कार्यस्थल पर आपके काम की सराहना होगी। व्यापार में नए अवसरों से लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक माहौल शांत और खुशनुमा रहेगा।

कर्क वरिष्ठों का मार्गदर्शन तरक्की के नए रास्ते खोलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल होगी, नया काम मिलेगा। परिजनों के साथ मनमुटाव दूर होगा, मिठास आएगी।

सिंह दफ्तर में मान-सम्मान और प्रभाव में वृद्धि होगी। व्यापार में नए सौदे स्थिति को मजबूत करेंगे। प्रेम संबंधों में सामंजस्य और आपसी समझ बढ़ेगी।

कन्या कार्यस्थल पर ध्यान न भटकने दें, काम पर ध्यान दें। लेन-देन में लिखा-पढ़ी बिल्कुल स्पष्ट रखें। अपनों के साथ धैर्यपूर्वक और सौम्य बातचीत करें।

तुला पदोन्नति या नई जिम्मेदारी के योग बन रहे हैं। साझेदारी के काम में उत्तम लाभ देखने को मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सौहार्द और खुशहाली रहेगी।

वृश्चिक कार्यक्षेत्र में विरोधियों पर बढ़त बनी रहेगी। व्यापार में नए प्रयोगों से अच्छा मुनाफा मिलेगा। परिवार का पूरा समर्थन हिम्मत और उत्साह बढ़ाएगा।

धनु रचनात्मक काम में बड़ी सफलता मिलने के योग हैं। व्यापार में नया निवेश भविष्य में फायदा देगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर अतिरिक्त जिम्मेदारियों को संयम से संभालें। कागजी कार्रवाई में सतर्कता बनाए रखें। परिजनों के साथ तालमेल बेहतर रखें। बजट बनाकर चलना समझदारी होगी, व्यय रोकें।

कुम्भ अपनी बुद्धिमत्ता से सभी कठिन काम निपटाएंगे। व्यापार में नए अनुबंधों पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। प्रियजनों के साथ समय सुखद बीतेगा। सेहत अच्छी रहेगी, तनाव दूर होगा।

मीन दफ्तर में आपकी सलाह की सराहना होगी। व्यापार में लाभ के नए अवसर मिलेंगे। पारिवारिक माहौल सुखद और आनंददायक रहेगा।

दिवाली ऐसे करें लक्ष्मी-गणेश की पूजा



दिवाली हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है। यह पर्व हर साल कार्तिक मास की अमावस्या तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन पूरा देश दीये को रोशनी से जगमगा उठता है। दिवाली को सुख-समृद्धि प्रदान करने वाला त्योहार माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी अपने भक्तों के घर पर पधारती हैं और उन्हें धन-धान्य का आशीर्वाद देती हैं। यही वजह है कि इस दिन लोग मां लक्ष्मी की पूजा करके जीवन में सुख-समृद्धि आने की कामना करते हैं, लेकिन इस साल दिवाली की सही तारीख को लेकर असंजस की स्थिति बनी हुई है।

पूजा का शुभ मुहूर्त

इस बार दिवाली 8 नवंबर को मनाई जायेंगी। इस दिन लक्ष्मी-गणेश पूजन के लिए शाम 5 बजकर 54 मिनट से शाम 7 बजकर 50 मिनट तक का समय शुभ रहेगा। इस दौरान श्रद्धालु विधि-विधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा कर सकते हैं। पूजा स्थल को पहले अच्छी तरह साफ करके सजाएं। फिर चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करें। घर के सभी सदस्य एक साथ देवी-देवताओं का ध्यान कर सकते हैं।

पूजन सामग्री

दिवाली की पूजा के लिए पूजा सामग्री में सबसे पहले मां लक्ष्मी और गणेश जी की प्रतिमा, रोली, कुमकुम, अक्षत (चावल), पान, सुपारी, नारियल, लौंग, इलायची, धूप, कपूर, अगरबत्तियां, मिट्टी के दीऐ, रूई, कलावा, शहद, दही, गंगाजल, गुड़, धनिया, फल, फूल, जौ, गेहूं, दूर्वा, चंदन, सिंदूर, पंचामृत, दूध, मेवे, बताशे, जनेऊ, श्वेत वस्त्र, इत्र, चौकी, कलश, कमल गट्टे की माला, शंख, आसन, थाली, चांदी का सिक्का, बैठने का आसन, हवन कुंड, हवन सामग्री, आम के पत्ते और प्रसाद रखना जरुरी है।

दिवाली का धार्मिक महत्व

दिवाली की रात भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की नव स्थापित प्रतिमाओं की पूजा की जाती है। इस दिन लक्ष्मी-गणेश के अलावा कुबेर देवता और बही-खाता की पूजा करने की भी परंपरा है। मान्यता है कि दिवाली की रात पूजा करने से जीवन में धन-धान्य की कभी भी कमी नहीं होती है।

क्यों मनाई जाती है?

दिवाली के पर्व को हर साल अमावस्या की अंधेरी रात्रि में मनाया जाता है। इस दिन दीयों की रोशनी से पूरे घर को रोशन किया जाता है। इसलिए इस पर्व को अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक माना गया है। साथ ही मान्यता है कि दिवाली के दिन ही प्रभु श्रीराम लंकापति रावण को हरा कर अयोध्या लौटे थे। 14 वर्ष का वनवास पूरा कर भगवान राम के लौटने की खुशी में अयोध्या वासियों ने पूरे अयोध्या को दीयों को रोशनी से सजा दिया था। तभी से पूरे देश में दिवाली मनाई जाती है।

दिवाली पर बनाएं गुलाब जामुन और बालूशाही

इस दीपावली बाजार की मिठाइयों से करें तौबा और घर पर महज़ आधे घंटे के अंदर गुलाब जामुन बनाएं। इन्हें बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में 1 कप नरम खोया डालकर मैश कर लें। फिर मैश किए हुए खोये में कप या 100 ग्राम कद्दूकस किया हुआ पनीर, बारीक रवा, 2 बड़े चम्मच मैदा, एक चम्मच बेकिंग पाउडर और एक छोटी चम्मच इलायची पाउडर मिलाएं। 1 बड़ा चम्मच दूध डालें और दूध के साथ आटा गूंथ लें। बस धीरे से मिलाएं। आटे को ढककर 30 मिनट के लिए अलग रख दें। 30 मिनट बाद आटे से बिना दरार के छोटी-छोटी लोइयां बना लीजिए और मध्यम गरम तेल में आटे की लोइयां डाल दें। इन्हें सुनहरा होने तक तलें। फिर बाहर निकाल कर चाशनी में डाल दें। वहीं त्योहार चाहे जो भी हो बालूशाही मिठाइयों की लिस्ट में शामिल होती ही है। बालूशाही बनाने के लिए सबसे पहले एक प्याले में एक कप घी, एक कप ठंडा ताजा दही लें और हल्का और चिकना होने तक फेंटें। अब 2 कप मैदा लें जिसमें 1 चुटकी नमक, 1 चुटकी बेकिंग सोडा और आधा चम्मच बेकिंग पाउडर मिलाएं। अब इसमें फेंटा हुआ मिश्रण डालकर नरम आटा गूंथ लें। आटे को ढककर 15 मिनिट के लिए अलग रख दीजिए। आटे से छोटी से मध्यम आकार की लोइयां निकाल लीजिये। उन्हें धीरे से बालूशाही के आकार में बेल लें। फिर इसे मध्यम धीमी आंच पर सुनहरा होने तक बैचों में मिनटों के लिए भूनें। फिर इन्हें निकाल कर गरम चीनी की चाशनी में डुबोएं।



हंसना मना है

पति - जब हमारी नई-नई शादी हुई थी, तब तुम कितना तहजीब से बोलती थी... और अब... पत्नी - पहले मैं रामायण देखती थी और अब क्राइम पेट्रोल देखती हूं...

पतिदेव - बाबाजी, सुखी वैवाहिक जीवन के लिए मंत्र बताइए... बाबाजी - बेटा जब तक मुंह बंद और पर्स खुला रहेगा, कृपा आती रहेगी...

मां- किससे बात कर रहा है, इतनी रात को... बेटा - कियारा की मां से... मां - अब ये कियारा कौन है... बेटा - तुम्हारी होने वाली पोती... फिर मां ने रात में ही उतारा बेटे के इश्क का भूत...

एक एयरलाइंस ने एक अनोखी योजना शुरू की...आप टिकट खरीदें, साथ में आपकी पत्नी का टिकट मुफ्त! इस योजना में भारी सफलता मिलने के बाद कंपनी ने सारी पत्नियों को फोन करके पूछा- यात्रा कैसी रही... सभी का एक जैसा ही जवाब था- कौन सी यात्रा...

कहानी | भूत का भय

उत्तर प्रदेश के एक पीरगढ़ गांव में अब्दुल व उसके कुछ दोस्त रहते थे। एक दिन ऐसे ही उन सभी के बीच भूत की बात छिड़ गई। इस दौरान अब्दुल ने बिना डरे कह दिया कि भूत जैसा कुछ नहीं होता। तभी सभी दोस्तों ने उससे कहा कि ऐसा है तो क्या तुम इस बात को साबित कर सकते हो कि तुम्हें भूत से डर नहीं लगता। हां, बिल्कुल। गांव में इस दौरान ऐसी बातें चल रही थीं कि पास के ही श्मशान घाट में लोगों को भूत नजर आता है। तभी एक दोस्त ने कहा कि ठीक है, तो तुम रात को श्मशान घाट जाओ और वहां जाकर कील गाड़कर आ जाना। फिर सुबह सब मिलकर उस कील को देखकर आएंगे। इतना तय होने के बाद अब्दुल श्मशान घाट के लिए निकल गया। रात काफी काली थी, रास्ते में चलते हुए अब्दुल के दिमाग में भूत की बातें घूमने लगी। उसे डर भी लग रहा था, लेकिन दोस्तों के सामने हंसी होगी ऐसा सोचकर वो आगे बढ़ता रहा और श्मशान घाट पहुंच गया। वहां पहुंचते ही अब्दुल ने कील को गाड़ने के लिए जेब से हथौड़ी निकाली और कील को जमीन में धीरे-धीरे गाड़ने लगा। शोर ज्यादा न करने के चक्कर में अब्दुल काफी आराम से कील गाड़ रहा था। कुछ देर बाद उसे लगा कि कोई उसका कुर्ता खींच रहा है। उसका पूरा शरीर ठंडा पड़ गया और वो बेहोश होकर नीचे गिर पड़ा। तभी अब्दुल का पीछा करते हुए श्मशान पहुंचे उसके दोस्तों ने उसे उठाया और गांव लेकर आ गए। काफी देर तक जब अब्दुल को होश नहीं आया, तो उसपर पानी के छींटे मारे। उतने में ही अब्दुल को होश आ गया और उसने बताया कि वो कील श्मशान में गाड़ चुका था, लेकिन तभी कोई उसका कुर्ता खींचने लगा, जिससे वो डर गया। दोस्तों ने अब्दुल को बताया कि कोई उसका कुर्ता नहीं खींच रहा था। अब्दुल ने पूछा, तो क्या हुआ था? तब उसके दोस्तों ने बताया कि जिस कील को जमीन में वो गाड़ रहा था उसी के नीचे कुर्ता भी दब गया था। इसी वजह से उसे लगा कि कोई उसका कुर्ता खींच रहा है। अपने डर की वजह से शर्मिंदा होते हुए अब्दुल ने अपने दोस्तों से माफी मांगी, लेकिन उसके सारे दोस्तों ने मिलकर उसकी हिम्मत की खूब तारीफ की।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कार्यक्षेत्र में संयम और धैर्य से काम लें, सफलता मिलेगी। व्यापार में कागजी कार्रवाई पूरी सतर्कता से करें। परिवार में किसी पुरानी बात पर बहस से बचें।

वृषभ दफ्तर में आपकी योजनाबद्ध कार्यशैली सफल रहेगी। व्यापारिक लेनदेन में स्पष्टता रखें, लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बहुत अच्छा बना रहेगा।

मिथुन कार्यस्थल पर आपके काम की सराहना होगी। व्यापार में नए अवसरों से लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक माहौल शांत और खुशनुमा रहेगा।

कर्क वरिष्ठों का मार्गदर्शन तरक्की के नए रास्ते खोलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल होगी, नया काम मिलेगा। परिजनों के साथ मनमुटाव दूर होगा, मिठास आएगी।

सिंह दफ्तर में मान-सम्मान और प्रभाव में वृद्धि होगी। व्यापार में नए सौदे स्थिति को मजबूत करेंगे। प्रेम संबंधों में सामंजस्य और आपसी समझ बढ़ेगी।

कन्या कार्यस्थल पर ध्यान न भटकने दें, काम पर ध्यान दें। लेन-देन में लिखा-पढ़ी बिल्कुल स्पष्ट रखें। अपनों के साथ धैर्यपूर्वक और सौम्य बातचीत करें।

तुला पदोन्नति या नई जिम्मेदारी के योग बन रहे हैं। साझेदारी के काम में उत्तम लाभ देखने को मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सौहार्द और खुशहाली रहेगी।

वृश्चिक कार्यक्षेत्र में विरोधियों पर बढ़त बनी रहेगी। व्यापार में नए प्रयोगों से अच्छा मुनाफा मिलेगा। परिवार का पूरा समर्थन हिम्मत और उत्साह बढ़ाएगा।

धनु रचनात्मक काम में बड़ी सफलता मिलने के योग हैं। व्यापार में नया निवेश भविष्य में फायदा देगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर अतिरिक्त जिम्मेदारियों को संयम से संभालें। कागजी कार्रवाई में सतर्कता बनाए रखें। परिजनों के साथ तालमेल बेहतर रखें। बजट बनाकर चलना समझदारी होगी, व्यय रोकें।

कुम्भ अपनी बुद्धिमत्ता से सभी कठिन काम निपटाएंगे। व्यापार में नए अनुबंधों पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। प्रियजनों के साथ समय सुखद बीतेगा। सेहत अच्छी रहेगी, तनाव दूर होगा।

मीन दफ्तर में आपकी सलाह की सराहना होगी। व्यापार में लाभ के नए अवसर मिलेंगे। पारिवारिक माहौल सुखद और आनंददायक रहेगा।

बंगाल में फिर भाजपा व टीएमसी में बवाल

» बीजेपी के गुंडों ने मेरे घर पर हमला किया : अभिषेक

» सांसद बोले- 6 महीनों में मुझ पर जानलेवा हमले की यह 7वीं कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एकबार फिर भाजपा व टीएमसी आमने-सामने आ गई। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अभिषेक बनर्जी ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर लिखा कि लगातार दो दिनों की रेकी के बाद रात 2 बजे बीजेपी के गुंडों ने मेरे घर पर इस तरह हमला किया। आप फुटेज देखकर खुद दी समझ सकते हैं। अगर एक चुने हुए सांसद के साथ ऐसा हो सकता है तो सोचिए पश्चिम बंगाल में आम आदमी का क्या हाल होगा।

बंगाल पुलिस पर भी बरसे टीएमसी सांसद

अभिषेक बनर्जी ने आगे लिखा कि पिछले 6 महीनों में मुझ पर जानलेवा हमले की यह 7वीं कोशिश है। फिर भी न तो पुलिस ने कोई कार्रवाई की और न ही न्यायपालिका ने कोई दखल दिया। पूरे राज्य में गुंडे बेखौफ होकर उपद्रव मचा रहे हैं, क्योंकि न्यायपालिका लगातार आंखें मूंदे बैठी है. महोदय, मूक दर्शक बने रहने के लिए आपका धन्यवाद! तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेशनल जनरल सेक्रेटरी और डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी ने बीजेपी के सपोर्टर्स पर शनिवार 7 नवंबर की सुबह कोलकाता में उनके घर पर हमला करने का आरोप लगाया है। खबर है कि यह घटना सुबह करीब 2 बजे उनके कालीघाट वाले घर के बाहर हुई।



टीएमसी वर्कर्स ने मनाया 39वां जन्मदिन

जहां टीएमसी वर्कर्स उनका 39वां जन्मदिन मनाने के लिए इकट्ठा हुए थे। इस घटना से टीएमसी और भाजपा सपोर्टर्स के बीच झड़प हो गई, जिसमें पत्थरबाजी, मारपीट और पार्टी के बैनर और पोस्टर को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगे. बनर्जी ने कोलकाता पुलिस पर भी आरोप लगाया कि वह मौके पर मौजूद होने के बावजूद कथित हमले को रोकने में नाकाम रही।

सड़क पर जन्मदिन मना रहे अभिषेक को मारने की फुर्सत किसे है: दिलीप

» मंत्री बोले- सिर्फ ड्रामा कर रही टीएमसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



कोलकाता। बीजेपी ने इस घटना को एक ड्रामा करार दिया। बंगाल बीजेपी नेता दिलीप घोष ने कहा, हम पहली बार देख रहे हैं कि किसी नेता का जन्मदिन फुटपाथ पर मनाया जा रहा है! अगर कोई रात में हंगामा करेगा तो विरोध तो होगा ही। अभिषेक बनर्जी को मारने की फुर्सत किसे है? अब कुछ बचा नहीं है, इसलिए भावुक बातें करके लोगों को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। यह घटना उस आरोप के एक दिन बाद हुई है, जिसमें बनर्जी ने कहा था कि कुछ अज्ञात लोग पिछले दो दिनों से उनके कार्यालय और आवास की रेकी कर रहे थे।

बनर्जी के अनुसार, जब उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने खुद को पुलिसकर्मी बताया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने इस संदिग्ध निगरानी की तुरंत जांच कराने की मांग की है। राज्य पुलिस की कथित संलिप्तता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, राज्य पुलिस एक निर्वाचित सांसद के कार्यालय और आवास पर कथित तौर पर जासूसी और निगरानी क्यों कर रही है? इस निगरानी की अनुमति किसने दी और किस मकसद से दी? बनर्जी ने कहा कि वह इस मामले को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कोलकाता पुलिस, गृह मंत्रालय और पश्चिम बंगाल पुलिस के ध्यान में ला रहे हैं। अभिषेक बनर्जी ने पूछा कि हम किस तरह के देश में रह रहे हैं? क्या गांधीजी ने ऐसे ही देश की कल्पना की थी? उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने इस देश को बर्बाद कर दिया है। जिस मामले में सुमित रॉय को गिरफ्तार किया गया है, उसी मामले में 27 मई को मेरे खिलाफ चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति ने फेसबुक पर सुमित रॉय की एक तस्वीर पोस्ट की है। यह पोस्ट अभी भी मौजूद है। आप खुद देख सकते हैं। तस्वीर के साथ यह मांग भी की गई है कि उसे एक फर्जी मुठभेड़ (एनकाउंटर) में मार दिया जाना चाहिए। सुमित रॉय को इसी मामले में गिरफ्तार किया गया है, और इसी मामले के सिलसिले में उसे एनकाउंटर की धमकी दी जा रही है। हमारी न्यायपालिका कहां है? हमारा संविधान कहां है?

शमी ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

» किया भावुक पोस्ट, बोले- सफेद जर्सी से विदा, यादों से नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान किया है। शमी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा कर अपने टेस्ट करियर को अलविदा कहा। उन्होंने कहा कि सफेद जर्सी से विदा जरूर ले रहे हैं, लेकिन उससे जुड़ी यादों से कभी नहीं। शमी ने अपने टेस्ट करियर को जिंदगी का बेहद खास हिस्सा बताया और इस सफर में साथ देने वाले सभी लोगों का आभार जताया। हालांकि, वह व्हाइट बॉल क्रिकेट यानी वनडे और टी20 खेलना जारी रखेंगे। 36 वर्षीय शमी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर अपने टेस्ट करियर पर विराम लगाया।

नई और पुरानी दोनों गेंदों से स्विंग और सीम मूवमेंट हासिल करने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले शमी ने भारत के लिए 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने छह बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा किया। शमी ने अपने संदेश में लिखा, मैं सफेद जर्सी से विदा ले रहा हूं, लेकिन उससे जुड़ी यादों से कभी नहीं। जब पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब सिर्फ एक सपना था- अपने देश के लिए कुछ करके दिखाना। उन्होंने आगे कहा, उसके बाद हर विकेट, हर संघर्ष, हर चोट और हर वापसी ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया। टेस्ट क्रिकेट मेरे लिए सिर्फ एक प्रारूप नहीं, बल्कि मेरी जिंदगी का बेहद खास हिस्सा रहा है। शमी ने अपने टेस्ट करियर के दौरान साथ देने वाले साथियों, कोच, परिवार और प्रशंसकों का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, आज भारी दिल और अनगिनत खूबसूरत यादों के साथ मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर रहा हूं। इस सफर में मेरा साथ देने वाली हर टीम, कोच, परिवार और उन करोड़ों भारतीयों का दिल से शुक्रिया, जिन्होंने अच्छे और मुश्किल दोनों वक्त में मुझ पर भरोसा बनाए रखा।



संन्यास पर दुखी हुए मोर्ने मोर्केल

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले पर टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने प्रतिक्रिया दी है। मोर्केल ने कहा कि जब उन्होंने भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में काम करना शुरू किया था, तब शमी ने ड्रेसिंग रूम में उन्हें काफी मदद की थी। उन्होंने शमी को शानदार कौशल वाला खिलाड़ी और टीम के लिए बेहतरीन साथी बताया। मोर्केल ने कहा कि शमी को टेस्ट क्रिकेट से विदा लेते देख उन्हें दुख हुआ। मोर्ने मोर्केल 2024 में मुख्य कोच गौतम गंभीर के कोचिंग सेटअप के हिस्से के रूप में भारतीय टीम से जुड़े थे। हालांकि, उन्हें टेस्ट प्रारूप में शमी के साथ काम करने का मौका नहीं मिला, लेकिन 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दोनों ने कुछ समय साथ बिताया था। यह भारतीय जर्सी में शमी का आखिरी टूर्नामेंट था।

अजित पवार जीवित होते तो एनसीपी के दोनों गुट एक हो चुके होते : सुनीत तटकरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष ने किया दावा

मुंबई। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे ने यान देकर सियासी हलकों में नई हलचल पैदा कर दी। उन्होंने कहा कि अगर पूर्व पार्टी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित पवार आज जीवित होते, तो एनसीपी के दोनों गुट एक हो चुके होते। सुनील तटकरे ने कहा, अजित पवार दादा के जीवित रहने के दौरान विलय को लेकर निश्चित रूप से चर्चा हुई थी. उन्होंने यह भी बताया था कि विलय किस तरह होगा। अगर अजित दादा यहां होते तो 12 फरवरी को विलय हो गया होता। यह अजित दादा की मजबूत इच्छाशक्ति के कारण संभव हो पाता।

मैं उनके करीबी सहयोगियों में से एक था इसलिए मुझे इस मामले की जानकारी है। सुनील तटकरे का यह बयान एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार की गुरुवार रात हुई मुलाकात के एक दिन बाद आया है। इस मुलाकात के बाद दोनों गुटों के विलय या फिर से साथ आने की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया। उन्होंने कहा, 28 जनवरी को एक दुर्घटना में अजित पवार का निधन हो गया इसलिए यह प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। तटकरे ने शुक्रवार को फिर दोहराया कि दोनों गुटों का विलय 12 फरवरी को प्रस्तावित था और यदि अजित पवार जीवित होते तो दोनों दल आज एकजुट दिखाई देते।

बिहार को विकसित राज्य बना दिया अब यूपी निकल गए हनुमान : प्रियंका

» राजद का चिराग पर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। उत्तर प्रदेश में अगले साल चुनाव होना है। इस चुनाव को लेकर केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान के एक बयान से बिहार का सियासी माहौल भी गरमा गया है। चिराग ने उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने को लेकर बयान दिया था।

इस बयान पर राष्ट्रीय जनता दल ने तंज करते हुए निशाना साधा है। राजद की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका भारती ने कहा कि बिहार को विकसित राज्य बनाने के बाद अब चिराग यूपी के लिए निकल गए। भारती ने एक्स पर लिखा- बिहार को विकसित राज्य बना दिए, अब यहां का काम पूरा कर उत्तर प्रदेश निकल गए महामानव के हनुमान जी!

दीपावली पर रोशनी से नहाया लखनऊ

» 1090 चौराहे से हजरतगंज तक सजावट का लिया जायजा

» महापौर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया श्रेय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



मंत्री एके शर्मा ने देर रात सड़कों पर उतरकर देखा शहर का निखरा रूप

लखनऊ। दीपावली के पावन पर्व पर राजधानी लखनऊ रोशनी और आकर्षक सजावट से जगमगा उठी। शहर की सड़कों, प्रमुख चौराहों और ऐतिहासिक स्थलों को आकर्षक विद्युत सजावट से सजाया गया है। इसी खूबसूरती को करीब से देखने के लिए नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा देर रात सड़कों पर उतरे। उन्होंने महापौर सुषमा खर्कवाल के साथ शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों का स्थलीय निरीक्षण कर नगर निगम की ओर से कराई गई सजावट और प्रकाश व्यवस्था का जायजा लिया।

मंत्री ए.के. शर्मा और महापौर सुषमा खर्कवाल ने 5 कालिदास मार्ग, 1090 चौराहा, समतामूलक चौक और हजरतगंज सहित प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया। इस दौरान शहर की आकर्षक सजावट और रोशनी देखकर मंत्री ने नगर निगम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने शहर को सुंदर और आकर्षक स्वरूप देने में जुटे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के काम की प्रशंसा की। इस मौके पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने भी नगर निगम की पूरी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि लखनऊ की सुंदरता बढ़ाने में अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाईकर्मियों ने सामूहिक रूप से योगदान दिया है। उन्होंने नगर आयुक्त गौरव कुमार के नेतृत्व में किए गए प्रयासों का भी उल्लेख किया। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, चीफ इंजीनियर मनोज प्रभात, सूर्य विक्रम सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मंत्री और महापौर को शहर में कराई गई सजावट एवं प्रकाश व्यवस्था की जानकारी दी। महापौर ने इस अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। देर रात तक चले इस निरीक्षण में शहर की साज-सज्जा के साथ नगर निगम की टीम के प्रयास भी चर्चा का विषय बने रहे।

आपातकाल स्वतंत्र भारत के इतिहास का काला अध्याय : सोनिया गांधी

मार्च 1977 में चुनाव कराने का लिया था फैसला

» कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष बोलीं- आज चुनाव आयोग और मीडिया पर सरकार का नियंत्रण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी किताब बिलांगिंग ए जर्नी आफ लव में आपातकाल के दौर का जिक्र भी किया है। सोनिया गांधी ने उस समय जो देखा और महसूस किया, उसे अपनी बुक में लिखा है। सोनिया गांधी ने लिखा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी बिगड़ते हालात से निपटने को संघर्ष कर रही थीं, उस दौर में कई चीजें बेहद कठिन थी। उन्होंने एक साक्षात्कार में भाजपा व आरएसएस पर हमला बोला। बता दें कि आपातकाल 1975 से 1977 के बीच लागू हुआ था, उस दौरान की घटनाओं का जिक्र भी सोनिया गांधी ने अपनी पुस्तक में किया है, जिसकी चर्चा भी हो रही है। सोनिया गांधी के द हिंदू को दिए गए लिखित इंटरव्यू में उन्होंने बताया आपातकाल के खत्म होने के बाद ही मुझे पता चला था कि उस दौर में क्या कुछ हो रहा था और उसकी गंभीरता कितनी ज्यादा थी।

सोनिया गांधी ने माना कि उस दौर में लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित किया गया था, जबकि हेबियस कॉर्पस यानि बंदी प्रत्यक्षीकरण को निलंबित किया गया था. लेकिन यह सबकुछ संवैधानिक तरीक से किया गया था. जब मैं उस दौर में वापस जाकर इंदिरा गांधी के नजरिए से चीजों को देखती हूं तो मुझे वे तेजी से बिगड़ते हालात से जूझती हुई दिखाई देती हैं. यह मैंने देखा था। सोनिया गांधी ने लिखा उस दौर में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए थे, सरकारी ऑफिसों और सार्वजनिक परिवहन में आगजनी हो रही थी. हर तरफ फैला हुआ सुनियोजित असंतोष था और यहां तक कि नौकरशाही और सशस्त्र बलों से आदेश न मानने का आह्वान भी था। आज जब पीछे मुड़कर देखने पर हम चीजों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इंदिरा गांधी ने ही खुद समझा कि क्या हो रहा है और मार्च 1977 में चुनाव कराने का फैसला किया था आप अच्छी तरह जानते हैं कि बाद में उन्होंने खुद सार्वजनिक रूप से इस बात पर अफसोस जताया और आपातकाल के दौरान हुई ज्यादतियों के लिए माफी भी मांगी थी। सोनिया गांधी का आपातकाल पर यह बयान अहम है, क्योंकि इमरजेंसी कांग्रेस के इतिहास का सबसे संवेदनशील विषय रहा है। सोनिया गांधी ने उस दौर में जो कुछ देखा उसका जिक्र अपनी पुस्तक में किया है। आपातकाल स्वतंत्र भारत के इतिहास का काला अध्याय बताया। कांग्रेस की मौजूदा स्थिति पर सोनिया गांधी ने निराशा जताने के बजाय पार्टी के संघर्ष और मजबूती का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि केंद्र में मौजूदा सरकार आने के बाद से विपक्ष को चुनाव लड़ने के लिए समान अवसर नहीं मिल रहे हैं, सरकार का सभी संस्थाओं, खासकर चुनाव आयोग पर पूरा नियंत्रण ह, मुख्यधारा का मीडिया भी उसके प्रभाव में है, इसके अलावा धनबल और धर्म के इस्तेमाल से राजनीतिक मुकाबले को प्रभावित किया जा रहा है।



समान विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर काम कर रही कांग्रेस

विपक्षी गठबंधन और कांग्रेस की राजनीतिक संभावनाओं पर सोनिया गांधी ने कहा कि पार्टी समान विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर काम कर रही है. उनका मानना है कि कांग्रेस ने मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में जिस तरह खुद को संभाला है, वह उसकी मजबूती को दिखाता है. उन्होंने कहा कि पार्टी की संभावनाएं दिन-ब-दिन बेहतर हो रही हैं।

भाजपा और आरएसएस से कांग्रेस नहीं करेगी समझौता

सोनिया गांधी ने राजनीतिक गठबंधनों को लेकर कहा कि राजनीति में कई बार समझौते करना जरूरी हो जाता है। कुछ मौकों पर ऐसे दलों के साथ भी हाथ मिलाना पड़ता है, जिनकी विचारधारा कांग्रेस से अलग होती है. हालांकि, ऐसे फैसले उन्हें कभी सहज नहीं लगे. उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने भाजपा और आरएसएस के साथ कभी कोई समझौता नहीं किया है और भविष्य में भी ऐसा नहीं करेगी। उन्होंने भाजपा और आरएसएस की विचारधारा से कांग्रेस के अंतर को भी स्पष्ट किया. सोनिया गांधी के मुताबिक, पार्टी के कुछ नेताओं की राय धर्मनिरपेक्षता के मुद्दे पर बहुत स्पष्ट रुख नहीं अपनाने की रही है, लेकिन यह कांग्रेस की आधिकारिक सोच नहीं है. पार्टी अपने काम और नीतियों के जरिए सभी नागरिकों को बिना किसी डर के अपने धर्म और विश्वास का पालन करने के संवैधानिक अधिकार के साथ खड़ी रही है।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग करने वाला हैरी बॉक्सर गिरफ्तार

» लॉरेन्स गैंग से जुड़े गैंगस्टर को अमेरिका में हिरासत में लिया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अमेरिका में लॉरेन्स गैंग से जुड़े गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को हिरासत में लिया गया है। हैरी बॉक्सर पर हत्या, धमकी, रंगदारी वसूलने समते कई केस दर्ज हैं। इसके अलावा फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग की जिम्मेदारी भी हैरी बॉक्सर ने ली थी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के इनपुट के आधार पर लॉरेन्स गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लिया गया है। हैरी बॉक्सर ने रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर और ऑडियो के जरिए बॉलीवुड के लोगों को धमकी दी थी, हैरी बॉक्सर अमेरिका में बैठकर वहां से अपने गैंग की गतिविधियां संचालित करता था अमेरिका की आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी के एजेंटों ने गैंगस्टर को कैलिफोर्निया से हिरासत में लिया है।

हैरी बॉक्सर से पहले गैंगस्टर हिमांशु भाऊ और नीरज फरीदपुरिया को भी अमेरिका में हिरासत में लिया गया था। इन दोनों पर भी भारत में कई आपराधिक केस दर्ज बताए गए हैं। अमेरिका-यूरोप समेत कई अन्य देशों में बैठकर भारत में अपराध चलाने वाले गैंगस्टरों पर लगातार कार्रवाई जारी है। हैरी बॉक्सर का असली नाम हरिचंद जाट है, जो कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग का एक्टिव गुर्गा है। ये मूल रूप से राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बामसूर इलाके का रहने वाला है. जयपुर में रहने के दौरान उसने बॉक्सिंग सीखी थी, इसी वजह से उसे बॉक्सर नाम मिला. शुरुआत में उसने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की और बॉक्सिंग कोच के तौर पर भी काम किया, लेकिन बाद में अपराध की दुनिया में आ गया।

स्पेशल ट्रेनें चलाने के दावों की खुली पोल

» एसी कोच को बना दिया जनरल बोगी

» यात्रियों का सब्र टूटा, खींच दी चेन, जगह-जगह लोगों के बीच हो रही झड़प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए सरकार का रेल मंत्रालय त्योहारों में रेल सेवाओं की पुख्ता व्यवस्था की दावा कर रहा है। पर उसके इतर जिस तरह से त्योहारी सीजन में ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ के कारण आरक्षित व एसी कोचों में जनरल यात्रियों के घुसने से लगातार विवाद हो रहे हैं। उसने सरकारी दावों की पोल खोल दी है। झारखंड और मध्य प्रदेश में यात्रियों के बीच झड़प और चेन पुलिंग की घटनाएं सामने आई हैं।

पर्याप्त ट्रेनों की कमी और अव्यवस्था को लेकर यात्रियों ने सोशल मीडिया पर रेलवे प्रशासन के प्रति भारी नाराजगी जताई है। त्योहारों का वक्त है। ट्रेन में पैर रखने तक की जगह नहीं है। जर्नल कोच से लेकर स्लीपर और एसी क्लास हर तरफ भीड़ का दबाव है। कई बार तो लोग इस भीड़ को बर्दाश्त कर लेते हैं, एडजस्ट कर लेते हैं। लेकिन त्योहारों के मौसम में भीड़ इस कदर बढ़ गई है कि अब रिजर्व कोच में सफर करने वाले यात्रियों का सब्र भी जवाब देने लगा है एसी कोच में बिना टिकट और जनरल टिकट वाले यात्रियों के घुसने से परेशान होकर रिजर्व क्लास के यात्रियों ने ट्रेन पुलिंग कर दी। ट्रेन को रोक दिया और रुकने के साथ मौके पर भीड़ जमा हो गई।



बाहर खड़े यात्रियों को अंदर नहीं आने दे रहे

देखा जा सकता है कि बाहर खड़े यात्रियों में कितना गुस्सा है कि उन्हें अंदर नहीं आने दिया जा रहा। बावजूद इसके वह जानते हैं कि यह सरासर गलत है। हालांकि यहां दूसरे पक्ष को भी नकारा नहीं जा सकता। रिजर्वेशन कराकर सफर कर रहे यात्रियों की अपनी परेशानी है। वहीं दूसरी तरफ वो लोग जो जनरल टिकट पर सफर कर रहे हैं। जिन्हें सीट मिलना तो दूर डिब्बे में पैर रखने तक की जगह नहीं मिल रही वो कहां जाएं? जाहिर सी बात है कि त्यौहार तो सभी अपनों के साथ मनाना चाहते हैं। घर जाना चाहते हैं। ऐसे में सरकार और प्रशासन की ओर से पर्याप्त ट्रेनों का इंतजाम नहीं किया गया तो क्या इसमें उनकी गलती है?

एनकाउंटर संस्कृति बंद होनी चाहिए : रोहिणी

» मनेर घटना पर बोलीं- पूरे मामले की न्यायिक जांच हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना के मनेर क्षेत्र में पुलिस ने हत्याकांड के तीन आरोपियों के एनकाउंटर में मार गिराया। इस घटना के खिलाफ जहां परिजनों ने हंगामा किया था, वहीं कई संगठनों और राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से भी कुछ सवाल उठाए गए।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी मनेर एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की न्यायिक जांच की मांग की।रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मनेर में हुआ पुलिस एनकाउंटर बिहार में कानून के राज के दावे पर एक काला धब्बा है। आचार्य ने मांग की कि इस मामले की न्यायिक जांच आयोग के द्वारा निष्पक्ष जांच हो।

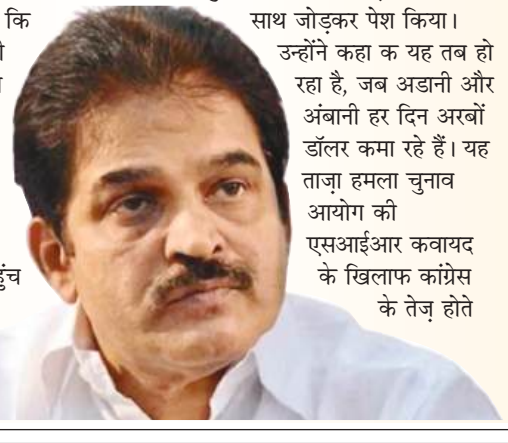
एसआईआर की आड़ में 13 करोड़ लोग योजनाओं से बाहर

» कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मोदी सरकार पर किया वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-एसआईआर को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर नया हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि एक धांधलीपूर्ण और त्रुटिपूर्ण प्रक्रि या की आड़ में 13 करोड़ लोगों को भारत के कल्याणकारी दायरे से बाहर कर दिया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वेणुगोपाल ने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा दी गई बहस की चुनौती को स्वीकार करने से क्यों कतरा रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री सवालों का सामना करने से इसलिए बच रहे हैं क्योंकि वे उस बात का बचाव नहीं कर सकते, जिसे कांग्रेस ने वोट और हक चोरी करार दिया है। कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि एक त्रुटिपूर्ण एसआईआर की आड़ में 13 करोड़ लोगों को देश के कल्याणकारी नेटवर्क से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने मतदाता सूची से जुड़े विवाद को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक लोगों की पहुंच से जुड़ी चिंताओं से जोड़ दिया। केंद्र सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं पर निशाना साधते हुए, वेणुगोपाल ने आम नागरिकों को कल्याणकारी लाभों से वंचित किए जाने की बात को उद्योगपति गौतम अडानी और मुकेश अंबानी की बढ़ती संपत्ति के साथ जोड़कर पेश किया। उन्होंने कहा क यह तब हो रहा है, जब अडानी और अंबानी हर दिन अरबों डॉलर कमा रहे हैं। यह ताज़ा हमला चुनाव आयोग की एसआईआर कवायद के खिलाफ कांग्रेस के तेज़ होते अभियान के बीच आया है। कांग्रेस का आरोप है कि इस प्रक्रिया के ज़रिए मतदाता सूचियों से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों के मतदान के अधिकार खतरे में पड़ गए हैं। विपक्ष ने बार-बार आरोप लगाया है कि इस संशोधन प्रक्रिया में पारदर्शिता और पर्याप्त सुरक्षा उपायों की कमी है, खासकर समाज के कमज़ोर वर्गों के मामले में।



राहुल गांधी से बहस करने की हिम्मत नहीं

वेणुगोपाल ने कहा कि मोदी राहुल जी की बहस की चुनौती स्वीकार नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वे अपने वोट और हक चोरी का बचाव नहीं कर सकते। उन्होंने मोदी और शाह को चुनौती दी कि वे लाखों लोगों को कल्याणकारी लाभों से कथित तौर पर बाहर किए जाने के मामले का सार्वजनिक रूप से बचाव करें। उन्होंने पूछा कि क्या मोदी या अमित शाह में इसका बचाव करने की हिम्मत है?

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा